

निफ्ट के विद्यार्थियों ने नेशनल और इंटरनेशनल कंपनियों में सीखे गुर

फैशन डिजाइनिंग के 32 विद्यार्थियों ने जून में पूरी की औद्योगिक इंटरशिप

संवाद न्यूज एजेंसी

मोहाली। फेज-1 स्थित नॉर्दर्न इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) में मंगलवार को फैशन डिजाइन के छात्रों ने इंटरशिप के दौरान उद्योग में किए गए काम का प्रदर्शन किया।

फैशन डिजाइनिंग के 32 विद्यार्थी जून में 45-60 दिनों के लिए औद्योगिक इंटरशिप के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने नेशनल और इंटरनेशनल ब्रांड जैसे जारा, जेसी पेनी, एच एंड एम, अवासा, ट्रेंड्स, टू

ट्रेंड्स में प्रबंधन जाना

मैंने रिलायंस ट्रेंड्स में इंटरशिप की, जिसने मुझे फैशन रिटेल उद्योग में व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया। वहां ग्राहक संतुष्टि मूल्यांकन, प्रचार रणनीति, फैशन उद्योग की जानकारी, टीमवर्क और संचार, नेतृत्व कौशल, उद्योग-विशिष्ट कौशल और परियोजना प्रबंधन की जानकारी हासिल की। - तन्नू राणा, छात्रा फैशन डिजाइनिंग



निफ्ट में अपने प्रोजेक्टों के साथ फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थी। संवाद



बाजार के रुझानों को समझ डिजाइनों को निखारा

मैंने पियर ग्लोबल एक्सपोर्ट्स लिमिटेड में इंटरशिप की। वहां बीता समय अमूल्य और अनुभवी था। मेरे संग्रह के लिए धारियों की थीम एक अनूठा और चुनौतीपूर्ण अनुभव था। वहां से मिली मदद की सराहना करती हूं। बाजार के रुझान समझने से लेकर अपने डिजाइन को निखारा। -स्नेहा बंसल, छात्रा फैशन डिजाइनिंग



इंटरशिप में बिताए पल रहे जादुई

सीआश में इंटरशिप बेहतरीन मौका था। कंपनी में बिताए दो महीने खास व जादुई रहे। मैं उन सभी का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जिन्होंने मार्गदर्शन और समर्थन दिया और मेरी राय को महत्व दिया। प्राप्त कौशल और ज्ञान का सर्वोत्तम संभव तरीके से उपयोग करने का प्रयास करूंगी। -नैसी श्रीवास्तव, छात्रा फैशन डिजाइनिंग

जारा स्पेन के लिए किया काम

मैंने सीटीए अपैरल नोएडा में दो महीने की इंटरशिप की। वहां जारा स्पेन 2025 फॉर मेन्स वियर के लिए काम किया। वहां मैंने करीब 150 शर्ट को डिजाइन कीं, जिनमें से 100 का चयन किया गया है और 2025 में उन्हें स्पेन जारा में बेचा जाएगा। - कुमुद गुप्ता, छात्रा फैशन डिजाइनिंग



टेस्ट के मुताबिक जाना महत्व



रिलायंस ट्रेंड में अपनी इंटरशिप की, जहां डिजाइन प्रक्रिया की पेचीदगियों को सीखा, अवधारणा विकास से उत्पादन तक और आधुनिक उपभोक्ताओं की बदलती आवश्यकताओं और वरीयता को पूरा करने के लिए डिजाइन तैयार करने के महत्व को समझा। साथ ही जाना कि सफल फैशन ब्रांड वे हैं जो वास्तव में अपने ग्राहकों को सुनते हैं, उनकी इच्छाओं को समझते हैं, और ऐसे उत्पाद बनाते हैं जो व्यक्तिगत स्तर पर साथ प्रतिध्वनित होते हैं। - नेहा राजपूत, छात्रा फैशन डिजाइनिंग

निफ्ट में फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थियों ने अलग-अलग थीम पर ड्रेस तैयार कर किया रैंप वॉक



मैंने जीवन की क्षणभंगुर प्रकृति और नवीनीकरण की सुंदरता से प्रेरित एक अवधारणा, एक फैशन संग्रह में तब्दील किया है। संग्रह में ऐसे डिजाइन दिखाए गए हैं जो कलातीत और सम्कालीन दोनों हैं, जिसमें क्लासिक सिल्यूट को नवीन सामग्रियों और तकनीकों के साथ मिश्रित किया गया है। समग्र सौंदर्यबोध संयमित लालित्य का है, जिसमें विद्रोह का एक सूक्ष्म संकेत है जो फैशन की क्षणभंगुर प्रकृति को दर्शाता है। -नेहा बंसल, छात्रा फैशन डिजाइनिंग

निफ्ट के छात्राओं ने भारतीय रसोई से प्रेरित फैशन ट्रेंड्स का किया अनावरण

संवाददाता जागरण, मोहाली : फेज-1 स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) के छात्रों ने आगामी फैशन ट्रेंड्स को मसालों और अमूल दूध की मशहूरी से प्रेरणा लेते हुए अपनी फैशन की कल्पना को चित्र पर दर्शाया।

इस प्रोजेक्ट के तहत छात्रों ने भारतीय रसोई के मसालों और अमूल के उत्पादों के रंगों, टेक्सचर और पैटर्न से प्रेरणा लेकर भविष्य के फैशन कलेक्शन को डिजाइन किया है। यह प्रोजेक्ट न केवल भारतीय किचन के मसालों और अमूल उत्पादों से प्रेरित है बल्कि यह फैशन की एक नई दिशा भी पेश करता है। निफ्ट के छात्र अब यह दिखा रहे हैं कि फैशन और कला का कोई निश्चित ढांचा नहीं होता, प्रेरणा कहीं भी, किसी भी रूप में मिल सकती है, और यही इस प्रोजेक्ट का मुख्य संदेश है। जो 2025 और 2026 के फैशन में नया बदलाव लाने योग्य है। निफ्ट के फैशन डिजाइन की एचओडी नवदीप कौर ने बताया कि छात्रों ने रसोई से जुड़े मसालों जैसे हल्दी, केसर, मिर्च, इलायची और जीरे के रंगों को अपने



निफ्ट की स्टूडेंट्स और अध्यापक अपने प्रोजेक्ट को दर्शाते हुए • जागरण

“मैंने मसाले के लिए विज्ञापन बोर्ड बनाया, जिसमें मसाले को हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली कहानी के रूप में पुनः कल्पना किया। मैंने भावनाओं को एक कहानी के रूप में प्रस्तुत किया जिसमें मैं दर्शाया कि होस्टल में रहते घर के खाने की याद आने पर घर के खाने की याद आना और फिर मसालों का उपयोग कर घर के स्वाद को याद करना था। मसालों के रंग और डिजाइन को मैंने अपने चित्र और फैशन में ढाला।

-नेहा राजपूत, छात्रा

मैंने प्रोजेक्ट में प्रिंट डेवलपमेंट के लिए काफी और अन्य डेयरी उत्पादों से प्रेरणा ली। मेरे बचपन की यादगार टीवी मशहूरी अमूल दूध में आने वाली गाएं और काफी का मिश्रण कर मैंने रंग और पैटर्न्स बनाए। इसमें मैंने चार डिजाइन अलग-अलग पैटर्न में दर्शाए हैं।

-तनु राणा, छात्रा

डिजाइनों में शामिल किया। जो फैशन को न सिर्फ समृद्ध और गतिशील बनाते हैं बल्कि इन रंगों में एक गहरी

सांस्कृतिक जड़ भी दिखती है। छात्रों को दिए प्रोजेक्ट को कई बिंदुओं के आधार पर दिया गया था।